ΧΟ. (ὠγμός.)
ΚΛ. ὤζεις, ὑπνώσσεις· οὐκ ἀναστήσει τάχος;
τί σοι πέπρωται πρᾶγμα πλὴν τεύχειν κακά;
ΧΟ. (ὠγμός.)
ΚΛ. ὕπνος πόνος τε, κύριοι συνωμόται,
δειναῖς δρακαίναις ἐξεκήραναν μένος.
ΧΟ. (μυγμὸς διπλοῦς ὀξύς.)
λαβὲ λαβὲ λαβὲ λαβὲ, δράσσου.
ΚΛ. ὄναρ διώκεις θῆρα κλαγγάνεις θ' ἅπερ
κύων μέριμναν οὔποτ' ἐκλείπων πόνου.
τί δρᾷς; ἀνίστω, μή σε νικάτω πόνος,
μηδ' ἀγνοήσῃς πῆμα μαλθαχθεῖσ' ὕπνῳ.
ἄλγησον ἧπαρ ἐνδίκοις ὀνείδεσι·
τοῖς σώφροσιν γὰρ ἀντίκεντρα γίγνεται.
εὖ δ' αἱματηρὸν πνεῦμ' ἐπουρίσασα τῷ,
ἀτμῷ κατισχναίνουσα, νηδύος πυρὶ,
ἕπου μάραινέ τ' εὐπτέροις διώγμασιν.

123. μυγμός M. sec. m. ὠγμός Rob.
124. ὤιζεις (sic) M. ἀναστήσῃ M. τάχος] τάχα Hart.
125. πέπρακται mss. τέτακται Wakef., coll. schol. τί οὖν μέλλεις τὸ σὸν ἔργον ἀνύειν; et vv. 71. 208. 642. πέπρωται Bentl. Stanl. Butl. Hart. Sidg. Cf. Pr. 535. τί γὰρ πέπρωται Ζηνὶ πλὴν ἀεὶ κρατεῖν; Qu. προσήκει.
128. δεινῆς δρακαίνης mss. Leg. δειναῖς δρακαίναις. Fort. δεινῶν θεῶν τῶνδ'.
130. φράζου] δράσσου conj. Wakef. Recte, ni fallor. λάβε (sic) M.
131. κλαγγαίνεις mss. κλαγγάνεις Wakef. Recte. δ' mss. θ' Scal.
132. ἐκλιπὼν mss. ἐκλείπων Blomf. ad Sept. 55. Recte. πόνου] δρόμου L. Schmidt.
133. πόνος mss. κόπος Halm. Weckl.
134. μαλθαχθεῖσ' ὕπνῳ] Fort. νικηθεῖσ' ὕπνῳ. Cf. 133.
135. ὀνείδεσιν aut ὀνείδεσσιν (M. G.) mss. 136. γίνεται M.
137. οὐδ' mss. σὺ δ' Pearson. Pors. Herm. τὸ δ' Pauw. εὖ δ' Kirch. τῷδ' (ordine inverso versuum 138. 139.) Herm. σπεῦδ' Musgr. σοῦ δ' Musgr. Wakef. Weckl. (Hesych. σοῦ· ἴθι, τρέχε, ὅρμα. Sept. 31. ὁρμᾶσθε πάντες, σοῦσθε.) Qu. εἶθ'. ἐπουρίσασα τῷ] ἐπουρίσασ' ἕπου F. W. Schmidt. ἐπουρίσασ' ἄγρᾳ idem. Cf. Eur. Andr. 611. ἀλλ' οὔτι ταύτῃ σὸν φρόνημ' ἐπούρισας. τῷ] τῷδ' Herm. Post τῷ interpungit Wecklein, de hac vi articuli coll. 7. 255. 355. 336. 174. Sept. 197. 385. 509. 912. Suppl. 439. 1047. 1055. Prom. 234. Ag. 7.
138. ἀτμῷ mss. αὐτῷ F. W. Schmidt. ἀτμοῦ — νηλεῶς πυρί Both. Qu. αὐτόν. Versum delet Wunder. κατισχαίνουσα mss. κατισχναίνουσα Rob.
139. μάραινε δευτέροις διώγμασιν mss. μάραινε δ' ἀγρίοις (vel εὐπτέροις) — F. W. Schmidt. Dedi μάραινέ τ' εὐπτέροις —.